ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 01-09-2023

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-09-01 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-09-02	2023-09-03	2023-09-04	2023-09-05	2023-09-06
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	36.0	36.0	35.0	35.0	35.0
न्यूनतम तापमान(से.)	26.0	26.0	26.0	26.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	51	57	60	65	59
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	25	29	26	25	24
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	25	24	23	20	19
पवन दिशा (डिग्री)	228	221	220	220	226
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 35.0 से 36.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 25.0 से 26.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

आगामी दिनों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है अतः अवांछित एवं रोगी पौधों को निकालकर खेत में पौधों की उचित संख्या बनाए रखे तथा घने पौधों में से कमजोर पौधो को निकाल दें जिससे वाष्पोत्सर्जन से होंने वाली मृदा नमी की हानि को कम किया जा सके ।

लघु संदेश सलाहकार:

06 सितम्बर तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है किसान भाई मूँग, ग्वार, तिल तथा बाजरा की फसल में मुरझान बिंदु दिखाई देने पर सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मूँग	मूंग की फसल में फली छेदक कीट का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु क्यूनालफॉस 25 ई.सी. @ 1 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
कपास	देशी कपास में फूल व टिंडे गिरने की सम्सया दिखाई देने पर एसीमोन 2.5 मिली प्रति 100 लीटर पानी में घोल बना कर छिड़काव करें।
रेंड़ी	अरण्डी की 30 दिन की फसल पर सिंचाई के साथ 20 किलो नत्रजन प्रति हैक्टेयर की दर से दें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाहः

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	शुष्क मौसम की स्थिति को देखते हुए नए लगाए गए फलों के पौधों और सब्जियों के खेतों में मिट्टी में पर्याप्त नमी बनाए रखें।
सामान्य सलाह	मौसम शुष्क रहने की संभावना है किसान भाई मेड़ों तथा फसलों में उगे हुए खरपतवारों को खेत से निकाल दे जिससे खरपतवारों द्वारा होने वाली पानी तथा पौषक तत्वों की हानि को कम किया जा सके